

वैरागर पुं. (तत्.) मध्यकालीन हीरों की एक प्रसिद्ध खान।

वैरागिक वि. (तत्.) विराग-संबंधी, वैराग्य का; विराग उत्पन्न करने वाला।

वैरागी पुं. (तत्.) 1. वह जिसके मन में विराग या वैराग उत्पन्न हो गया हो, विरक्त वि. वासना में अनुराग से विरक्त, साधु, महात्मा 2. उदासीन, वैष्णवों का एक संप्रदाय।

वैराग्य पुं. (तत्.) संसार के झंझटों से हटा कर ईश्वर की ओर लगाई जाने वाली मन की वृत्ति, विषय वासनाओं में अनुराग का अभाव, विरक्ति, अनासक्ति, मन की राग-रहित अवस्था।

वैराग्योन्मुख वि. (तत्.) जिसकी प्रवृत्ति या झुकाव वैराग्य की ओर हो।

वैराज पुं. (तत्.) 1. परमात्मा, एक मनु 2. ब्रह्मा, ब्रह्मा संबंधी 3. दो अलग अलग शासन प्रणालियाँ 4. एक पितृगण 5. सत्ताइसवाँ कल्प।

वैराज्य पुं. (तत्.) 1. एक ही देश में दो राजाओं का शासन 2. वह देश जहाँ इस प्रकार की शासन प्रणाली हो 3. राजा का अभाव।

वैराट वि. (तत्.) 1. विस्तृत, लंबा-चौड़ा 2. विराट (मत्स्य-नरेश) संबंधी पुं. वीर बहूटी, इंद्रगोप नाम का कीड़ा।

वैरी पुं. (तत्.) दुश्मन, शत्रु, जिसके साथ वैर-भाव हो।

वैरूप्य पुं. (तत्.) विरूपता, शकल का भद्दापन, विकृति, कुरूपता, रूपों की विभिन्नता।

वैरोचन पुं. (तत्.) 1. राजा, बलि, विरोचन का पुत्र, वैरोचनि 2. एक ध्यानी बुद्ध 3. एक सिद्धगण 4. सूर्य के पुत्र, अग्नि के पुत्र।

वैरोचि पुं. (तत्.) बलि का पुत्र बाण, बाणासुर।

वैलक्षण्य पुं. (तत्.) 1. विलक्षणता, किसी वस्तु या व्यक्ति को विलक्षण बनाने वाला गुण/धर्म 2. विभिन्न होने का भाव, विभिन्नता, विरोध, विचित्रता, विविधता

वैलक्ष्य पुं. (तत्.) 1. गड़बड़ी 2. अस्वाभाविकता 3. लज्जा, शर्म, वैपरीत्य, विपरीतता।

वैलिंग्य पुं. (तत्.) परिचायक लक्षण का न होना, लिंगहीनता।

वैलिड वि. (अं.) तर्कसंगत, मान्य या ठीक; प्रामाणिक एवं मान्य दस्तावेज आदि, विधिसम्मत, वैध कानूनी तौर पर मान्य। valid

वैलोम्य पुं. (तत्.) वैपरीत्य, उल्टापन, विलोमता, विलोम होना।

वैवर्ण्य पुं. (तत्.) 1. मलिनता 2. भिन्नता 3. विवर्ण होने की अवस्था या भाव, विवर्णता 4. काव्य. मोह, क्रोध, भय आदि से शरीर या चेहरे की रंगत का बदल जाना, रंग बदल जाना।

वैवस्वत पुं. (तत्.) 1. सूर्य के एक पुत्र का नाम, विवस्वान 2. एक रुद्र 3. एक मनु 4. वर्तमान मन्वंतर का नाम।

वैवाहिक पुं. (तत्.) कन्या अथवा वर का श्वसुर अथवा ससुर, समधी, विवाह, शादी वि. विवाह संबंधी, विवाह का, विवाह के कारण होना।

वैवाह्य वि. (तत्.) विवाह-संबंधी, विवाह का, विवाह के योग्य, जिसका विवाह होने वाला है पुं. विवाह-संबंधी कृत्य।

वैशंपायन पुं. (तत्.) एक ऋषि जो वेद व्यास के शिष्य थे।

वैशद्य पुं. (तत्.) स्वच्छता, निर्मलता, स्पष्टता, उज्ज्वलता, स्वस्थता (मन की) शांति।

वैशल्य पुं. (तत्.) अंदर धँसा काँटा निकल जाना, किसी भारी कष्ट से मुक्ति, बहुत बड़ी तकलीफ से छुटकारा।

वैशाख पुं. (तत्.) 1. चैत के बाद और जेठ के बीच का महीना 2. शिकार करने के समय का एक पैंतरा।